इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, बुधवार, 29 जुलाई 2026

जब तक आपका शरीर स्वस्थ्य और नियंत्रण में है और मृत्यु दूर है, अपनी आत्मा को बचाने की कोशिश कीजिये, जब मृत्यु सर पर आ जायेगी तब आप क्या कर पायेंगे?।
-चाणक्य

वर्ष 18 अंक 327 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

तापमान - अधिकतम 35.2°C (+1.7) न्यूनतम 26.6°C(+0.8) सेंसेक्स 76,765.92 (-69.86) निफ्टी 3,985.35 (-10.60) सोना 1,44,320 चांदी 2,35,000 मुद्रा - डालर 96.61 दिरहम 26.03 रियाल 25.49

एरा यूनिवर्सिटी में छात्रों को अनुशासन और उत्कृष्टता का दिया संदेश

लखनऊ (सं)। नए सपनों और नई उम्मीदों के साथ एरा यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ऑफ साइंस में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के बैचलर पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का भव्य स्वागत किया गया। यूनिवर्सिटी परिसर के मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित दीक्षारंभ-2026 इंडक्शन कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संस्कृति, अनुशासन और नई शिक्षा नीति से परिचित कराया गया। कार्यक्रम यूजीसी के स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम मॉडल पर आधारित था, जिसके तहत विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, वातावरण और सीखने की प्रक्रिया से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

◎ विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ 2026 का आयोजन

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी ने छात्रों से अनुशासन, समय की पाबंदी और शत-प्रतिशत उपस्थिति को अपनी प्राथमिकता बनाने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि सफलता केवल पढ़ाई से नहीं, बल्कि जिम्मेदार व्यवहार और निरंतर सीखने की आदत से मिलती है। उन्होंने एरा यूनिवर्सिटी की लगभग 25 वर्षों की चिकित्सा शिक्षा की विरासत और एक स्वतंत्र विश्वविद्यालय के रूप में उसकी उपलब्धियों की भी चर्चा की। फैकल्टी ऑफ साइंस के डीन प्रो. ए.के. श्रीवास्तव ने विभिन्न विभागों, पाठ्यक्रमों और नई शिक्षा नीति-2020 के तहत लागू किए गए शैक्षणिक ढांचे की जानकारी दी। वहीं परीक्षा नियंत्रक प्रो. तसलीम रजा और सहायक परीक्षा नियंत्रक प्रो. शीबा रिजवी ने छात्रों को परीक्षा प्रणाली और मूल्यांकन प्रक्रिया से अवगत कराया। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. तनवीर खदीजा ने विश्वविद्यालय के नियमों, ड्रेस कोड, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास से जुड़े विभिन्न क्लबों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। डिप्टी रजिस्ट्रार प्रो. गजाला जैदी ने अनुशासित परिसर संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान डॉ. रूपाली मिर्जा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। इसके बाद विद्यार्थियों के लिए छह दिवसीय ओरिएंटेशन एवं फाउंडेशन कोर्स की शुरुआत की घोषणा की गई, जिससे वे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और सामाजिक वातावरण के अनुरूप स्वयं को बेहतर ढंग से तैयार कर सकें।